

पाठ्यक्रम (मास्टर केडर की भर्ती परीक्षा के लिए)

विषय : हिंदी

नोट : परीक्षा की कठिनाई का स्तर स्नातक रहेगा।

(क) हिन्दी साहित्य का इतिहास

1. आदिकाल व मध्यकाल

- I. (i) हिन्दी साहित्य का इतिहास, काल-विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण
(ii) आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य.
(iii) आदिकाल की प्रमुख परिस्थितियाँ और प्रवृत्तियाँ
- II. (i) भक्तिकाल की परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ और विभिन्न काव्य धाराएँ
(ii) संत काव्य, सूफी काव्य, राम काव्य व कृष्ण काव्य : प्रमुख कवि और उनका योगदान
(iii) रीतिकाल-नामकरण, विभिन्न धाराएँ, परिस्थितियाँ और प्रवृत्तियाँ
- III. प्रमुख कवि : चन्दबरदाई, अमीर खुसरो, विद्यापति, कबीर, सूरदास, तुलसीदास, रैदास, केशव, जायसी, बिहारी, रहीम, मीराबाई और रसखान

2. आधुनिक काल

- (i) आधुनिक काल की प्रमुख परिस्थितियाँ और प्रवृत्तियाँ ।
- (ii) भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता
—प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और विशेषताएँ

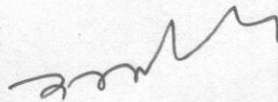
3. हिन्दी गद्य का उद्भव व विकास

कहानी, उपन्यास, नाटक, निबन्ध, आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र यात्रा वृत्तांत, डायरी आदि ।

प्रमुख कवि : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, मैथिलीशरण गुप्त, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, सुमित्रानन्दन पंत, सुभद्राकुमारी चौहान, हरिवंश राय बच्चन, रामधारी सिंह दिनकर

प्रमुख कहानीकार : जयशंकर प्रसाद, मुंशी प्रेमचन्द्र, जैनेन्द्र कुमार, मन्नू भंडारी, कृष्णा सोबती, सुदर्शन, कमलेश्वर, यशपाल ।

प्रमुख निबन्धकार : रामचन्द्र शुक्ल, रामवृक्ष बेनीपुरी, बाबू गुलाबराय हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, महादेवी वर्मा, मुक्तिबोध, हरिशंकर परसाई



प्रमुख नाटककार : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, जयशंकर प्रसाद, मोहन राकेश, जगदीशचन्द्र, विष्णु प्रभाकर, उपेन्द्रनाथ अशक

(ख) समीक्षा सिद्धांत

- (i) काव्य की परिभाषा तथा भेद, महाकाव्य, खंडकाव्य, गीतिकाव्य की परिभाषा तथा विशेषताएं।
- (ii) गद्य विधाएं : निबन्ध, संस्मरण, जीवनी तथा आत्मकथा के स्वरूप एवं तत्वों का सामान्य परिचय।
- (iii) उपन्यास की परिभाषा, तत्व और वर्गीकरण
- (iv) कहानी की परिभाषा, तत्व और वर्गीकरण
- (v) समीक्षा सिद्धांत : केवल नाटक और एकांकी - परिभाषा, तत्व और वर्गीकरण

(ग) व्याकरण

- (i) भाषा और लिपि, वर्ण विचार, शब्द विचार, पद विचार, वाक्य विचार
- (ii) व्यावहारिक व्याकरण : भाववाचक संज्ञा निर्माण, विशेषण निर्माण, विपरीतार्थक शब्द, समानार्थक शब्द, समरूपी भिन्नार्थक शब्द, वाक्यांशों के लिए एक शब्द अनेकार्थक शब्द ।
- (iii) देवनागरी लिपि: उद्भव और विकास, दोष का सुधार एवं दोष सुधार के लिए किए गए प्रयास। देवनागरी लिपि का मानक रूप तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण
- (iv) मुहावरे और लोकोक्तियाँ

(घ) तकनीकी शब्दावली

प्रमुख पारिभाषिक शब्द (अंग्रेजी से हिंदी)

(ङ) अलंकार

अनुप्रास, यमक, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, अतिशयोक्ति, विरोधाभास, उत्प्रेक्षा

(च) छंद

दोहा, सोरठा, चौपाई, सवैया, कवित्त, कुंडलियाँ

